बीएचईएल ने 'गुणवत्ता सर्वप्रथम' पहल की शुरुआत की

नई दिल्ली, 24 फरवरी: कंपनी को फ्यूचर-रेडी ग्लोबल इंजीनियरिंग संगठन में बदलने के अपने प्रयासों के तहत, बीएचईएल ने गुणवत्ता को कंपनी के उत्पादों और सेवाओं की पहचान बनाने के लिए अत्याधुनिक प्रक्रियाओं अपनाने हेतु एक गुणवत्ता सर्वप्रथम पहल शुरू की है।

बीएचईएल ने 1970 के दशक की शुरुआत में तत्कालीन प्रचलित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता प्रक्रियाओं और प्रणालियों को अपनाने के साथ, भारत में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों के विकास का बीड़ा उठाया था। कंपनी को 1981 की शुरुआत में भारत में क्वालिटी सर्कल्स की अवधारणा को आरंभ करने के लिए जाना जाता है, जिसने क्वालिटी मैनेजमेंट इफ़ेक्टिविटी रिव्यू (क्यूएमईआर-बीएचईएल का एक कॉपीराइट) नामक अपने गुणवत्ता परिपक्वता मॉडल को लॉन्च करते हुए कुल गुणवत्ता प्रबंधन और अन्य प्रमुख गुणवत्ता पहलों को अपनाया जैसे कि मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) कार्यप्रणाली के माध्यम से समस्या को हल करना, आईएमपीआरईएस (सुधार परियोजना इनाम योजना प्रणाली) के माध्यम से सुधार परियोजनाएं चलाना, समय-समय पर उत्पादों और प्रक्रयाओं का विनिर्माण इकाइयों और परियोजना स्थलों पर संरचित ऑडिट करना। बीएचईएल को कई गुणवत्ता पुरस्कार मिले हैं और यह वर्ष 2006 में सीआईआई-ईएक्सआईएम बैंक पुरस्कार पाने वाला पहला पीएसयू था। बीएचईएल के प्रमुख प्रभागों को भी व्यवसाय उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित सीआईआई-एक्जिम बैंक पुरस्कार के तहत सम्मानित किया गया है।

बीएचईएल ने अपनी मजबूती, निष्पादन और दीर्घ अवधि तक प्रयोग किए जा सकने वाले उत्पादों, जिससे ग्राहकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिया जा सके द्वारा, गुणवत्ता के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है। हालांकि, आज के उभरते बाजार परिदृश्य में, आवश्यकताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, प्रतिस्पर्धी लागतें और गुणवत्ता प्रक्रियाओं की मजबूती किसी भी कंपनी के सफल होने की पूर्व-आवश्यकता है। इन अनिवार्यताओं को ध्यान में रखते हुए, बीएचईएल भविष्य की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अपनी गुणवत्ता प्रक्रियाओं और प्रणालियों की समीक्षा और पुनरोद्धार कर रहा है।

मिशन 'गुणवत्ता सर्वप्रथम' चार उद्देश्यों पर केंद्रित है- कर्मचारियों को सशक्त करना, शिक्षित करना, काम पर लगाना और प्रोत्साहित करना तथा कंपनी के भीतर गुणवत्ता की मानसिकता को और मजबूत करने के लिए नवीनतम गुणवत्ता प्रक्रियाओं और प्रणालियों को लागू करना।

बीएचईएल अपने सभी प्रभागों में गुणवत्ता प्रणाली परिपक्वता सूचकांक को मापने और सुधारने के लिए एक संरचित मॉडल-गुणवत्ता 360 (नवीनतम इन-हाउस क्यूएमईआर मॉडल) कार्यान्वित कर रहा है। व्यावसायिक उत्कृष्टता आंदोलन को नवीनतम ईएफक्यूएम 2020 के अनुरूप शुरू किया गया है। कंपनी ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें गुणवत्ता प्रक्रियाओं और प्रणालियों का मानकीकरण, विभिन्न स्तरों पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम और भविष्य में बेहतर उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने हेतु तैयार कर्मचारियों की संख्या बनाने के लिए पुरस्कार योजनाओं की शुरूआत शामिल है। उल्लेखनीय है कि, बीएचईएल ने 90 के दशक की शुरुआत में भारत में अपनी स्थापना के बाद से आईएसओ 9000 गुणवत्ता प्रणाली को अपनाया था और आज इसके सभी प्रभाग आईएसओ(ISO)-9001 प्रमाणित हैं। इसके बाद कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा मान्यता, आईएसओ(ISO)-14001 और ओएचएसएएस(OHSAS)-18001 का अधिग्रहण किया है। बीएचईएल की प्रमुख प्रयोगशालाएँ पहले से ही एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं और विभिन्न उत्पादों को सेंट्रल बॉयलर बोर्ड, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), यूएएल इंडिया, अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई), एयरोस्पेस गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और लॉयड्स रजिस्टर जैसी प्रासंगिक एजेंसियों द्वारा प्रमाणित किया गया है।

बीएचईएल उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं को प्रदान कर अपने ग्राहकों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'क्वालिटी फ़र्स्ट'(गुणवत्ता प्रथम) पहल, बीएचईएल की बहु-आयामी परिवर्तन स्ट्रेटेजी का एक अभिन्न अंग है जो ग्राहक मूल्यों पर अधिकतम ध्यान केंद्रित करते हुए संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में और एक कदम है।